

समाचार वाणी

खबर जो करें असर !

नाशिक | Tuesday, 22 September 2026

छत्तीसगढ़ की होनहार बेटी तृप्ति क्षत्रिय : साधारण पृष्ठभूमि से असाधारण सफलता की मिसाल ।

Publisher

Published on 07 Jul 2025



छत्तीसगढ़ की होनहार
बेटी तृप्ति क्षत्रिय :
साधारण पृष्ठभूमि से
असाधारण सफलता
की मिसाल।

छत्तीसगढ़ के तखतपुर से निकलकर फार्मास्युटिकल रिसर्च में नई ऊँचाइयाँ छूने वाली तृप्ति क्षत्रिय, जिनकी सफलता हजारों युवाओं के लिए प्रेरणा बनी ।

सर्वादाता, तखतपुर
(बिलासपुर), छत्तीसगढ़

तखतपुर (बिलासपुर), छत्तीसगढ़ : छत्तीसगढ़ की पावन धरती ने अनेक रत्नों को जन्म दिया है, और उन्हीं में से एक हैं तृप्ति क्षत्रिय — एक ऐसी होनहार बेटी, जिन्होंने छोटे शहर से निकलकर विज्ञान जैसे चुनौतीपूर्ण क्षेत्र में अपने अथक परिश्रम और प्रतिभा के बल पर न सिर्फ शोध जगत में नाम कमाया, बल्कि आज हजारों युवाओं के लिए प्रेरणा बन चुकी हैं ।

एक शिक्षाप्रेमी परिवार की बेटी

तृप्ति का जन्म तखतपुर, जिला बिलासपुर में हुआ । उनका पालन-पोषण एक साधारण लेकिन संस्कारवान और शिक्षित परिवार में हुआ । उनकी माता एक समर्पित सरकारी शिक्षिका हैं, जिन्होंने तृप्ति को शिक्षा, अनुशासन और आत्मनिर्भरता के मूलमंत्र दिए । यही मूल्य उनकी सफलता की नींव बने ।

शिक्षा यात्रा : एक सामान्य छात्रा से शोधकर्ता तक

तृप्ति ने बैचलर ऑफ फार्मसी की पढ़ाई सिद्धि विनायक कॉलेज, बिलासपुर से की, जहाँ उन्होंने उल्लेखनीय अकादमिक प्रदर्शन किया । इसके पश्चात उन्होंने गुरुघासीदास केंद्रीय विश्वविद्यालय, बिलासपुर से फार्मास्युटिकल केमिस्ट्री में पोस्ट

ग्रेजुएशन किया।

उनकी गहन वैज्ञानिक सोच, प्रयोगों में रुचि और शोध के प्रति दृढ़ता उन्हें फार्मास्यूटिकल केमिस्ट्री में पीएचडी तक ले गई, जो वे वर्तमान में पंडित रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय, रायपुर से कर रही हैं।

शोध और प्रकाशन : फार्मेसी क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान

तृप्ति ने फार्मेसी क्षेत्र में कई उल्लेखनीय शोध पत्र प्रकाशित किए हैं, जो राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय शोध पत्रिकाओं में साराहे गए हैं। उनके प्रमुख रिव्यू पेपर्स में शामिल हैं:

1. “Navigating the Maze of Ocular Rare Diseases”
2. “Inflammation in Dry Eye Disease: From Pathogenesis to Promising Therapeutic Avenues”

इनमें उन्होंने नेत्र संबंधी दुर्लभ बीमारियों और सूखी आंख (Dry Eye Disease) की गहराई से पड़ताल की है।

उनके प्रमुख रिसर्च पेपर्स में निम्नलिखित कार्य शामिल हैं:

1. “Synthesis and In-Vitro Screening of Novel Calcium Channel Blockers for Antihypertensive Activity”
2. “Synthesis and Characterization of Novel Dihydropyrimidine Derivatives”

इन शोध कार्यों के माध्यम से उन्होंने उच्च रक्तचाप और रसायनिक यौगिकों के चिकित्सीय उपयोग पर गहन अनुसंधान किया है। यह दर्शाता है कि तृप्ति न केवल शिक्षा में बल्कि औषधीय रसायन (pharmaceutical chemistry) के क्षेत्र में भी गंभीर वैज्ञानिक योगदान दे रही हैं।

राष्ट्रीय संगोष्ठियों में विशिष्ट प्रदर्शन

तृप्ति क्षत्रिय ने अपने शोध कार्यों को राष्ट्रीय स्तर पर भी प्रस्तुत किया है और वहाँ उल्लेखनीय सफलता हासिल की है। उन्होंने निम्नलिखित राष्ट्रीय संगोष्ठियों में भाग लेकर प्रथम स्थान और सर्वश्रेष्ठ पोस्टर प्रस्तुतकर्ता का सम्मान प्राप्त किया:

1. “INNOVATIVE DRUG DESIGN FOR OCULAR PATHOGENS USING MOLECULAR DOCKING”

यह शोध पत्र उन्होंने पोस्टर प्रारूप में **Rungta College of Pharmaceutical Sciences & Research, Raipur** में 20 फरवरी 2024 को आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में प्रस्तुत किया, जिसमें उन्हें प्रथम स्थान (1st Position) प्राप्त हुआ।

2. “HERBAL MEDICINE IN FOCUS: NATURAL REMEDIES FOR OCULAR DISEASES”

यह रिव्यू पेपर उन्होंने **Shri Rawatpura Sarkar University, Raipur** में 21-22 नवंबर 2024 को आयोजित “Recent trends and future prospects of traditional indigenous medicinal plants for drug development” विषयक राष्ट्रीय संगोष्ठी में प्रस्तुत किया, जिसमें उन्हें “Best Poster Presentation Award” से सम्मानित किया गया।

इन उपलब्धियों से यह स्पष्ट होता है कि तृप्ति क्षत्रिय का शोधकार्य न केवल अकादमिक स्तर पर सशक्त है, बल्कि वह राष्ट्रीय मंचों पर भी अपनी वैज्ञानिक प्रतिभा का लोहा मनवा चुकी हैं।

शिक्षण में योगदान : ज्ञान के साथ दृष्टिकोण भी दिया

तृप्ति ने एक वर्ष तक टैगोर ग्रुप ऑफ फार्मेसी एंड रिसर्च, बिलासपुर में सहायक प्राध्यापक के रूप में कार्य किया। इस दौरान उन्होंने छात्रों को न केवल सिलेबस की पढ़ाई कराई बल्कि उन्हें प्रयोगों और शोध में रुचि लेने के लिए प्रेरित किया। उनका मानना है:

“सच्चा शिक्षक वही है, जो ज्ञान के साथ सोचने की स्वतंत्रता भी दे।”

संघर्षों से बनी सफलता की राह

एक छोटे कस्बे से निकलकर **उच्च शिक्षा** और शोध के क्षेत्र में स्थापित होना अपने आप में एक चुनौती है। संसाधनों की **सीमाएँ**, **सामाजिक अपेक्षाएँ** और **पारिवारिक जिम्मेदारियाँ** — इन सबके बावजूद तृप्ति ने कभी हार नहीं मानी। उनका आत्मविश्वास, धैर्य और मेहनत ही उनके सबसे बड़े हथियार रहे।

बेटियों के लिए एक आदर्श उदाहरण

जब आज भी समाज में कई बार बेटियों की शिक्षा को सीमित किया जाता है, ऐसे समय में तृप्ति की कहानी एक रौशनी की किरण है। उन्होंने यह साबित किया कि:

“बेटियाँ सिर्फ जिम्मेदारी नहीं होतीं, वे परिवर्तन की वाहक होती हैं।”

उनकी कहानी को समर्पित एक प्रेरक कविता :

“छोटे शहर की छोटी सी बेटी,
सपनों की लेकर ऊँची गठरी।
किताबें थीं साथी, संघर्ष था पथ,
हौसलों से तय किया विज्ञान का रथ।

ना रुकना सीखा, ना थकना आया,
माँ की सीख ने रास्ता दिखाया।
अब वह खुद दीपक बन गई है,
औरों की राह भी उजियारी कर रही है।”

समाज के लिए संदेश

तृप्ति क्षत्रिय की सफलता केवल एक व्यक्ति की नहीं, बल्कि यह **समाज के लिए एक सबक है** — अगर बेटियों को अवसर मिले, तो वे न केवल अपनी पहचान बनाती हैं, बल्कि समाज को नई दिशा भी देती हैं।

तृप्ति का संदेश :

“शिक्षा सबसे बड़ी पूंजी है, और आत्मविश्वास सबसे बड़ा हथियार। अगर दोनों आपके पास हैं, तो कोई भी सपना अधूरा नहीं रह सकता।”

तृप्ति क्षत्रिय जैसे युवा हमारे समाज के लिए प्रेरणा का स्रोत हैं। वे यह साबित करती हैं कि बड़ा बनने के लिए बड़े शहर नहीं, बड़ा बनने के लिए बड़े शहर नहीं, बड़ी सोच की आवश्यकता होती है। उनकी यात्रा हर उस छात्रा और छात्र के लिए एक मार्गदर्शक है, जो सीमाओं के बावजूद ऊँचाइयाँ छूना चाहते हैं।

ऐसी ही देश और दुनिया की बड़ी खबरों के लिए फॉलो करें: www.samacharwani.com